Literacy for a Billion

Movie: Kaajal
Year: 1965

Song: Ye Zulf Agar
Lyricist: Sahir Ludhianvi

ये जुल्फ अगर खुल के
बिखर जाए तो अच्छा
ये जुल्फ अगर खुल के
बिखर जाए तो अच्छा
इस रात की तकदीर
सँवर जाए तो अच्छा

जिस तरह से थोड़ी-सी
तेरे साथ कटी है हाय
जिस तरह से थोड़ी-सी
तेरे साथ कटी है
बाकी भी उसी तरह
गुजर जाए तो अच्छा
बाकी भी उसी तरह
गुजर जाए तो अच्छा
दुनिया की निगाहों में
भला क्या है बुरा क्या
दुनिया की निगाहों में
भला क्या है बुरा क्या
ये बोझ अगर दिल से
उतर जाए तो अच्छा
ये बोझ अगर दिल से
उतर जाए तो अच्छा
वैसे तो तुम्हीं ने
मुझे बरबाद किया है होय
वैसे तो तुम्हीं ने
मुझे बरबाद किया है
इल्जाम किसी और के
सर जाए तो अच्छा
ये जुल्फ अगर खुल के
बिखर जाए तो अच्छा
बिखर जाए तो अच्छा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.